THE TIMES OF INDIA

Pandemic triggered disorders in children's behaviour: Experts

TOI

TIMES NEWS NETWORK

Kolkata: There has been a huge surge in the number of children with developmental and behaviourial disorders across cities, including Kolkata, during Covid, which resulted in a rush for treatment over the last eight months, according to developmental paediatricians who attended a two-day meet in the city over the weekend. The number of children being treated for learning disability, Down's syndrome, autism and cerebral palsy has doubled, they pointed out, with many suffering irreversible damages due to a sudden Covid-induced delay and break in diagnosis and treatment.

There is now a sharp focus on developmental paediatrics due to the sheer number of youngsters suffering from the issues related to it, said Mumbai-based developmental paediatrician Samir Dalwai, who attended the National Conference on Developmental Paediatrics organised by Indian Academy of Paediatrics (IAP).

"A significant number of children with autism and learning disability had not been identified while those with Down's syndrome or cerebral palsy had a break in treatment or a delay. These have turned very costly for some and there is now a desperation to seek medical help. Nationally, the number of such children now under treatment has doubled compared to the pre-Covid period," said Dalwai.

State minister for industry and commerce Shashi Panja was present at the conference.

(From left to right) Paediatrician Sujoy Chakrabarty, psychotherapist Minu Budhia, state minister for industry and commerce Shashi Panja and developmental paediatrician Shabina Ahmed at the National Conference on Developmental Paediatrics

Communication and language skills have suffered, especially for those who started attending school online, said Shabina Ahmed, developmental paediatrician and chairperson of the chapter of developmental paediatrician at IAP.

"Today, the need of the hour is to spread awareness about developmental milestones so that parents and caregivers can spot the red flags," said Minu Budhia, psychotherapist and founder of Kolkata-based Caring Minds.

MILLENNIUMPOST.IN

RNI NO.: WBENG/2015/65962

millenniumpost

NO HALF TRUTHS

PUBLISHED FROM DELHI | KOLKATA

VOL. 8, ISSUE 243 | Sunday, 4 September 2022 | Kolkata | Pages 12 | Rs 5.00

CORPORATE KALEIDOSCOPE

Dr. Shashi Panja, Minister Department of Women and Child Development and Social Welfare, Department of Industry, Commerce and Enterprises and Department of Public Enterprises and Industrial Reconstruction, Govt of West Bengal and Psychotherapist Minu Budhia, Founder-Director of Caring Minds, ICanFlyy, and Cafe ICanFlyy inaugurating the NCDP 2022 19th Annual Conference of IAP Chapter of Neuro Developmental Paediatrics at the Biswa Bangla Convention Centre. MPOST

আজকাল
www.aajkaal.in
কলকাতা ১৮ ভাদ্র ১৪২৯ রবিবার ৪ সেপ্টেম্বর ২০২২ শহর সংস্করণ ৫.০০ টাকা ১২+৪ পাতা
পশ্চিমবঙ্গের বাইরে অতিরিক্ত বিক্রয় মূল্য ১ টাকা

নিউরোডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক্স

কলকাতার বিশ্ব বাংলা কনভেনশন সেন্টারে অনুষ্ঠিত হল নিউরো ডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক আইএপি-এর এনসিডিপি ২০২২ এর ১৯তম বার্ষিক সম্মেলন। এই অনুষ্ঠানের থিম ছিল 'নিউরোডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক্স: অ্যান আইডিয়া হুজ টাইম হ্যাজ কাম'। সম্মেলনটি আয়োজিত হয়েছিল ওয়েস্ট বেঙ্গল অ্যাকাডেমি অফ পেডিয়াট্রিক্স এবং হাওড়া অ্যাকাডেমি অফ পেডিয়াট্রিক্সের সহায়তায়। সম্মেলনের উদ্বোধন করেন প্রধান অতিথি হিসেবে উপস্থিত থাকা পশ্চিমবঙ্গ সরকারের মহিলা ও শিশু উন্নয়ন এবং সমাজ কল্যাণ বিভাগের ক্যাবিনেট মন্ত্রী ড. শশী পাঁজা। সম্মানীয় অতিথি হিসেবে উপস্থিত ছিলেন কেয়ারিং মাইন্ডস, আইক্যানফ্লাই এবং ক্যাফে আইক্যানফ্লাই এর প্রতিষ্ঠাতা-পরিচালক মিনু বুধিয়া। সম্মেলনে অংশ নেন দেশের বেশ কয়েকজন নামী শিশু চিকিৎসক এবং বিশেষজ্ঞ।

খবর ৩৬৫ দিন
রবিবার
৪ সেপ্টেম্বর ২০২২
১৮ ভাদ্র ১৪২৯
দাম ৪ টাকা
কলকাতা থেকে প্রকাশিত
বর্ষ ১১ ■ সংখ্যা ২২৮
Vol. XI. No. 228
কলকাতা সংস্করণ

নিউরো ডেভলপমেন্ট পেডিয়াট্রিক কনফারেন্স

৩৬৫ দিন। শিশুদের স্বাস্থ্যে।অত্যন্ত প্রয়োজনীয় জিনিস।আর কিভাবে তা খেয়াল করা যায়।তারই লক্ষ্যে বিশ্ব বাংলা কনভেনশন সেন্টারে আয়োজন করা হয়েছিল নিউরো ডেভলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক আইএপি এর এনসিডিপি ২০২২ এর ১৯ তম বার্ষিক সম্মেলন।সেখানে উপস্থিত ছিলেন রাজ্যের মহিলা ও শিশু উন্নয়ন এবং সমাজ কল্যাণ বিভাগের মন্ত্রী শশী পাঁজা,কেয়ারিং মাইন্ডস-আই ক্যান ফ্লাই এবং ক্যাফে আই ক্যান ফ্লাই এর প্রতিষ্ঠাতা-পরিচালক মিনু ভুদিয়া। এই সম্মেলনে মন্ত্রী শশী পাঁজা বলেন,আমাদের ইন্টিগ্রেটেড চাইল্ড ডেভলপমেন্ট সার্ভিসেস কেন্দ্রের মাধ্যমে আমরা ৬ মাস থেকে ৬ বছর বয়সী শিশুদের নিয়ে কাজ করিএক্ষেত্রে মূল ধারণা হল,সচেতনতা ছড়িয়ে দেওয়া এবং সংবেদনশীলতা বৃদ্ধি করা।শিশুদের কষ্ট পেতে দেখা দুর্ভাগ্যজনক।কারণ তাঁদের রোগ নির্ণয় হয় অনেক দেরিতে।তাই যত তাড়াতাড়ি রোগ নির্ণয় হবে তত তাড়াতাড়ি তাঁকে সুস্থ করে তোলা যাবে।মূলত শিশুদের স্বাস্থ্য এর দিকে নজর দেওয়া মূল লক্ষ্য।এরই সঙ্গে মিনু ভুদিয়া জানান, আমাদের আগামী সুন্দর,উজ্জ্বল ভবিষ্যতের পথে একটি বিষয় কেবল বাঁধা হয়ে দাঁড়িয়েছিল,সেটা হল 'লোকে কি বলবে এই চিন্তাধারা'।কেয়ারিং মাইন্ডস,ইনস্টিটিউট অফ মেন্টাল হেলথ এর মাধ্যমে আমাদের লক্ষ্য এই বাঁধা ভেঙে বেরিয়ে এগিয়ে যাওয়া এবং আগামী আরও সুন্দর করা।

যে চোখ সর্বদাই সজাগ
বাংলার চোখ
Banglar Chokh (BISWANEWS প্রকাশনা– epaper: www.banglarchokh.biswanews.com)
বৃহস্পতিবার ৮ সেপ্টেম্বর ২০২২, ২২ ভাদ্র, ১৪২৯ RNI. WBBEN/2006/18035

■মাননীয় মন্ত্রী ড. শশী পাঁজা, মহিলা ও শিশু উন্নয়ন এবং সমাজকল্যাণ বিভাগ, শিল্প, বাণিজ্য ও উদ্যোগ বিভাগ এবং পাবলিক এন্টারপ্রাইজ এবং শিল্প পুনর্গঠন বিভাগ, পশ্চিমবঙ্গ সরকার এবং সাইকোথেরাপিস্ট মিস মিনু বুধিয়া, কেয়ারিং-এর প্রতিষ্ঠাতা-পরিচালক মাইন্ডস, আই কান ফ্লাই, বিশ্ব বাংলা কনভেনশন সেন্টারে নিউরো ডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক্সের ১৯ তম বার্ষিক সম্মেলনের উদ্বোধন অনুষ্ঠানে ।

सन्मार्ग

04 सन्मार्ग कोलकाता
रविवार, 4 सितम्बर, 2022

आरोप : शिक्षिका के पूर्व पति ने लगाया आरोप, 7 लाख रुपये देकर पायी नौकरी

न्यूरो विकासात्मक बाल रोग सम्मेलन हुआ आयोजित

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : बच्चे हमारा भविष्य हैं और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर समान ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए, एनडसीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। इसका विषय 'न्यूडरोबलपमेंटल पीडियाट्रिक्स एक विचार जिसका समय आ गया है' था। सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से किया गया। इसकी मेजबानी हावड़ा एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा की गयी। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की मंत्री **डॉ. शशि पांजा** ने सम्मेलन का उद्घाटन किया केयरिंग माइंड्स, आईकैनफ्लाई और कैफे आईकैनफ्लाई की संस्थापक-निदेशक एवं साइकोथेरेपिस्ट **मीनू बुधिया** विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। डॉ. शशि पांजा ने कहा कि मैं उन्हें लंबे समय से जानती हूं। मैंने उनके काम को देखा है और मैंने आंशिक रूप से उनका संघर्ष, उनकी व्यक्तिगत लड़ाई भी देखी है। वह हमेशा विजयी रही हैं। वह नारी शक्ति हैं। मीनू बुधिया ने एक हार्दिक और प्रेरक कहानी साझा की अवसाद के साथ उनकी व्यक्तिगत लड़ाई और विशेष आवश्यकता वाली बच्ची की मां बनने की उनकी यात्रा। उन्होंने कहा "मैं इतने विशिष्ट लोगों को संबोधित करते हुए सम्मानित महसूस कर रही हूं। प्राची, मेरी छोटी बेटी, जो एक स्पेशल नीड वाली बच्ची है, जिसने मुझे न केवल बदलाव लाने बल्कि खुद को बदलने के लिए प्रेरित किया। देश भर से बाल विकास के क्षेत्र के दिग्गज विशेषज्ञ तथा बाल रोग स्पेशलिस्ट्स इस सम्मेलन में उपस्थित हुए। पूरी तरह से ऑफलाइन आयोजित होने के कारण, यह आयोजन, महामारी के कारण दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक साथ मिलने, विचारों को साझा करने और साथी शिक्षाविदों के मेलजोल का प्रमुख अवसर भी बना।

कार्यक्रम में मंत्री डॉ. शशि पांजा, साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया, न्यूरोडेव्लप्मेंटल चेप्टर की चेयरपर्सन सबीना अहमद, हावड़ा नगर निगम के चेयरमैन डॉ. सुजय चक्रवर्ती व अन्य

रविवारी विश्वमित्र
• हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक •
कोलकाता रविवार ■ 4 सितम्बर 2022 ■ भाद्रपद शुक्ल 8 संम्वत 2079

न्यूरो विकासात्मक बाल रोग सम्मेलन आयोजित

कोलकाता, 3 सितम्बर (नि.प्र.)। बच्चे हमारा भविष्य हैं और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर समान ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए, एनसीडीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। इसका विषय 'न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स: एक विचार जिसका समय आ गया है' था। सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स केसहयोग से किया गया। इसकी मेजबानी हावड़ा एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा की गयी। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि माननीय मंत्री डॉ. शशि पांजा (कैबिनेट मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार, महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। साइकोथेरेपिस्ट सुश्री

मीनू बुधिया (केयरिंग माइंड्स, आईकैनफ्लाई और कैफे आईकैनफ्लाई की संस्थापक-निदेशक) विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। अपने संबोधन में डॉ. शशि पांजा ने कहा, साथी चिकित्सकों और सुश्री मीनू बुधिया के साथ मंच साझा करना अद्भुत है। मैं उन्हें लंबे समय से जानती हूं। हमारे इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेलेलपमेंट सर्विसेस के जरिये हम छह महीने से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों की देखभाल करते हैं। अपने उद्घाटन भाषण में, सुश्री मीनू बुधिया ने एक हार्दिक और प्रेरक कहानी साझा की- अवसाद के साथ उनकी व्यक्तिगत लड़ाई और विशेष आवश्यकता वाली बच्ची की मां बनने की उनकी यात्रा। उन्होंने कहा मैं इतने विशिष्ट लोगों को संबोधित करते हुए सम्मानित महसूस कर रही हूं। प्राची, मेरी छोटी बेटी, जो एक स्पेशल नीड वाली बच्ची है, जिसने मुझे न केवल बदलाव लाने बल्कि खुद को बदलने के लिए प्रेरित किया। एक उज्वल, खुशहाल, अधिक समावेशी भविष्य के रास्ते में जो सबसे बड़ी चुनौती है वो सामाजिक पूर्वाग्रह है कि - लोग क्या कहेंगे, लोके की बोल्बे। जब बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य की बात आती है तो यह विशेष रूप से जरूरी हो जाता है। मेरे मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, केयरिंग माइंड्स के माध्यम से, मेरा ध्यान इस पूर्वाग्रह को तोड़ने और सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक बाधाओं को पार करते हुए गुणवत्तापूर्ण, आसानी से हासिल होने वाले समाधान को प्रदान करने पर है।

पत्रिका
राजस्थान पत्रिका SUNDAY
patrika.com

विकासात्मक बाल रोग सम्मेलन

कोलकाता @पत्रिका. विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में न्यूरो विकासात्मक बाल रोग सम्मेलन शनिवार को हुआ। इसका मकसद बच्चों के शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य पर समान ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर देना था। एनसीडीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। इसका विषय न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स- एक विचार था। सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से किया गया। मेजबानी हावड़ा एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने की। उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. शशि पांजा थी। साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया (केयरिंग माइंड्स, आईकैनफ्लाई और कैफे आईकैनफ्लाई की संस्थापक-निदेशक) विशिष्टअतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। पांजा ने कहा कि उन्होंने मीनू बुधिया का संघर्ष, लड़ाई देखी है। वे हमेशा विजयी रही हैं। वह नारी शक्ति हैं। मीनू बुधिया ने अवसाद के साथ उनके संघर्ष और विशेष आवश्यकता वाली बच्ची की मां बनने की उनकी यात्रा की जानकारी दी। देश भर से बाल विकास क्षेत्र के दिग्गज विशेषज्ञ तथा बाल रोग स्पेशलिस्ट्स उपस्थित हुए।

प्रभात खबर

प्रभात खबर बंगाल कोलकाता, रविवार 04.09.2022 12

विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में बाल रोग पर सम्मेलन

कोलकाता. बच्चे हमारा भविष्य हैं और उनके दैहिक व मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है. एनसीडीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आइएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन यहां विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ. इसका विषय था 'न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स : एक विचार जिसका समय आ गया है.' सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से किया गया, जिसकी मेजबानी हावड़ा एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने की. राज्य की महिला व बाल विकास मंत्री डॉ शशि पांजा ने उक्त सम्मेलन का उद्घाटन किया.

साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं. मौके पर डॉ शशि पांजा ने कहा कि राज्य सरकार इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज(आइसीडीएस) के जरिये छह माह से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों की विशेष देखभाल को प्रतिबद्ध है. मीनू बुधिया ने भी बच्चों के स्वास्थ्य पर विचार रखे.

छपते छपते

छपते छपते आस-पास

कोलकाता
रविवार, 4 सितम्बर 2022

विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में न्यूरो विकासात्मक बाल रोग सम्मेलन

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 3 सितम्बर। एनसीडीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। इसका विषय न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स: एक विचार जिसका समय आ गया है था। सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से किया गया। इसकी मेजबानी हावड़ा एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा की गयी। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. शशि पांजा (कैबिनेट मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार, महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। साइकोथेरेपिस्ट सुश्री मीनू बुधिया (केयरिंग माइंड्स, आई कैन फ्लाई और कैफे आईकैनफ्लाई की संस्थापक-निदेशक) विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं।

न्यूरोडेवलपमेंट पेडियाट्रिक्स के 19 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ शशि पांजा पश्चिम बंगाल के उद्योग व्यापार और शिशु कल्याण मंत्री के साथ साइकोथेरेपिस्ट आई कैन फ्लाई के संस्थापक व निदेशक श्रीमती मीनू बुधिया।

अपने संबोधन में डॉ. शशि पांजा ने कहा, साथी चिकित्सकों और सुश्री मीनू बुधिया के साथ मंच साझा करना अद्भुत है। मैं उन्हें लंबे समय से जानती हूं। मैंने उनके काम को देखा है और मैंने आंशिक रूप से उनका संघर्ष, उनकी व्यक्तिगत लड़ाई भी देखी है। वह हमेशा विजयी रही हैं। वह नारी शक्ति हैं।

हमारे इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेलेलपमेंट सर्विसेस (आइसीडीएस) के जरिये हम छह महीने से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों की देखभाल करते हैं। हम अपनी परिसेवा को बढ़ा रहे हैं जिसमें बचपन की शुरुआती शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। हमारा मूल लक्ष्य जागरूकता और संवेदीकरण को बढ़ाना है। बच्चों को भुगतते देखना दुखद है क्योंकि कई बार उनका डायोग्नोसिस विलंब से हुआ रहता है। जितनी जल्दी डायोग्नोसिस होगी पुनर्वास उतनी जल्दी होगा।

उद्घाटन भाषण में, सुश्री मीनू बुधिया ने एक हार्दिक और प्रेरक कहानी साझा की - अवसाद के साथ उनकी व्यक्तिगत लड़ाई और विशेष आवश्यकता वाली बच्ची की मां बनने की उनकी यात्रा। उन्होंने कहा मैं इतने विशिष्ट लोगों को संबोधित करते हुए सम्मानित महसूस कर रही हूं। प्राची, मेरी छोटी बेटी, जो एक स्पेशल नीड वाली बच्ची है, जिसने मुझे न केवल बदलाव लाने बल्कि खुद को बदलने के लिए प्रेरित किया। एक उज्जवल, खुशहाल, अधिक समावेशी भविष्य के रास्ते में जो सबसे बड़ी चुनौती है वो सामाजिक पूर्वाग्रह है कि - लोग क्या कहेंगे, लोके की बोल्बे। जब बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य की बात आती है तो यह विशेष रूप से जरूरी हो जाता है। मेरे मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, केयरिंग माइंड्स के माध्यम से, मेरा ध्यान इस पूर्वाग्रह को तोड़ने और सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक बाधाओं को पार करते हुए गुणवत्तापूर्ण, आसानी से हासिल होने वाले समाधान को प्रदान करने पर है। जिस समाज में हम रहते हैं उसका निर्माण हम सभी मिल कर करते हैं और यदि हम सभी उस पूर्वाग्रह को तोड़ सके तो धीरे-धीरे लोगों को अपनी जरूरत के लिए सहायता हासिल करने में डर या शर्म महसूस नहीं होगी।

देश भर से बाल विकास के क्षेत्र के दिग्गज विशेषज्ञ तथा बाल रोग स्पेशलिस्ट्स इस सम्मेलन में उपस्थित हुए। इस अवसर पर पैनल चर्चा, अतिथि व्याख्यान, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और परिचर्चा सत्र का आयोजन हुआ जिसने वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विचारों का एक उत्कृष्ट मिश्रण प्रदान किया। पूरी तरह से ऑफलाइन आयोजित होने के कारण, यह आयोजन।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा

न्यूरो विकासात्मक बाल रोग सम्मेलन में बच्चों के भविष्य और स्वास्थ्य पर चर्चा

विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में किया गया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा

महानगर के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में एनसीडीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से किया गया। इसकी मेजबानी हावड़ा एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा की गयी। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ शशि पांजा ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थी। इस समारोह में डॉ. शशि पांजा ने कहा कि आइसीडीएस के जरिये हम छह महीने से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों की देखभाल करते हैं। हम अपनी परिसेवा को बढ़ाते हुए बच्चों की शुरुआती शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। हमारा मूल लक्ष्य जागरूकता और संवेदीकरण को बढ़ाना है। हम इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस के साथ एक प्रश्नावली तैयार करने के लिए काम कर रहे है ताकि बच्चों के एडीएस स्पेक्ट्रम की पहचान की जा सके। वहीं मीनू बुधिया ने अपने उद्घाटन भाषण में अवसाद के साथ

उनकी व्यक्तिगत लड़ाई की यात्रा की प्रेरक कहानी साझा की। इस अवसर पर पैनल चर्चा, अतिथि व्याख्यान, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और परिचर्चा सत्र का आयोजन हुआ। जिसने वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विचारों का एक उत्कृष्ट मिश्रण प्रदान किया। इस सम्मेलन में देश भर से बाल विकास क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा बाल रोग स्पेशलिस्ट्स उपस्थित थे।

CYMK
www.echoofindia.com
THE ECHO OF INDIA
PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM KOLKATA,SILIGURI,GANGTOK,GUWAHATI and PORT BLAIR

Neuro Development Pediatrics Conference held at Biswa Bangla Convention Centre

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, SEPT 3/--/ Children are our future and their health, both physical and mental, require equal focus. To this end, the NCDP 2022 19th Annual Conference of IAP Chapter of Neuro Developmental pediatrics was held at the Biswa Bangla Convention Centre. The theme was 'Neurodevelopmental pediatrics: An idea whose time has come' .The conference was inaugurated by the Chief Guest, Minister Dr. ShashiPanja, Cabinet Minister, Government of West Bengal, for Industries, Commerce & Enterprises and Department of Women and Child Development and Social Welfare and the Guest of Honour, Psychotherapist MinuBudhia (Founder-Director of Caring Minds, ICanFlyy, and Cafe ICanFlyy).

Addressing the audience, DrPanja said, "It is wonderful to share the dias with fellow medical professionals and with MsBudhia. I have known her for a long time. I have seen her work, and I have partly seen her struggle, her personal struggle too, but she is victorious, she is Nari Shakti.

Through our Integrated Child Development Services (ICDS) centres, we are looking after children from the age of 6 months to 6 years. We are escalating the services with a tremendous emphasis on early childhood learning. The basic idea is to disseminate awareness and increase sensitisation. It is unfortunate to see children suffering because they have been diagnosed too late. The earlier the diagnosis, the earlier the rehabilitation. Thus our focus is on equipping our Anaganwadi workers to detect if something seems to be off when parents bring their children. Understanding the developmental milestones of children is essential for our workers as parents are often unaware of these. We have been working with the Institute of Neuroscience to develop a questionnaire that will enable our workers to detect children on the ASD spectrum. Also, the Rights of Persons with Disabilities Act has 19 conditions which need our in-depth attention. In the case of MR, which we now call Intellectual Disability, we need to understand how to help these children better, especially those who have been abandoned by their families, left on the side of the road, she said."

Minister Dr. ShashiPanja, Department of Women and Child Development and Social Welfare, Department of Industry, Commerce and Enterprises and Department of Public Enterprises and Industrial Reconstruction, Govt of West Bengal, Psychotherapist MinuBudhia, Founder-Director of Caring Minds, ICanFlyy, and Cafe ICanFlyy and DrShabina Ahmed, Chairperson, Neurodevelopmental Chapter inaugurating the NCDP 2022 19th Annual Conference of IAP Chapter of Neuro Developmental Paediatrics at the Biswa Bangla Convention Centre. (EOI Photo)

In her inaugural speech, MsBudhia shared a heartfelt and inspiring story - her personal battle with depression and her journey of being a special needs mother. "Prachi, my younger daughter, who is a special needs child, is the one who inspired me to not just bring the change but be the change. The biggest challenge that stands in the way of a brighter, happier, more inclusive tomorrow is societal stigma - "Log Kya Kahengey", "Lokey Ki Bolbey. This is especially prominent when it comes to child and adolescent mental health. Through my Institute of Mental Health, Caring Minds, my focus is on breaking the stigma and providing quality, easily accessible solutions across socio-economic & geographical barriers. Each one of us makes up the society we live in and if we can each break a stigma, slowly people will no longer feel scared or ashamed to get the help they need."

A unique confluence of stalwart pediatrics and experts in the field of child development from across the country, the conference saw Panel Discussions, Guest Lectures, Debates, Quizzes and interactive sessions provide an excellent blend of scientific and cultural thought. Being held completely offline, this event is one of the first major occasions for the members of the fraternity to get together, share ideas and socialise with fellow academics after a long lull of two years due to the pandemic.

इंफो इंडिया

कोलकाता एवं पोर्ट ब्लेयर से एक साथ प्रकाशित

बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित न्यूरो डेवलपमेंट पीडियाट्रिक्स सम्मेलन

मंत्री डॉ. शशि पांजा, महिला और बाल विकास और समाज कल्याण विभाग, उद्योग, वाणिज्य और उद्यम विभाग और सार्वजनिक उद्यम और औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, मनोचिकित्सक मीनू बुधिया, केयरिंग माइंड्स के संस्थापक-निदेशक, खउरपऋ, और कैफे खउरपऋ और डॉ शबीना अहमद, चेयरपर्सन, न्यूरोडेवलपमेंटल चैप्टर, एनसीडीपी 2022 19वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का उद्घाटन करते हुए।

कोलकाता, 3 सितम्बर। बच्चे हमारा भविष्य हैं और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर समान ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए, एनसीडीपी 2022 न्यूरो डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स के आईएपी चैप्टर का 19वां वार्षिक सम्मेलन बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया था। विषय था 'न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स: एक विचार जिसका समय आ गया है'। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, मंत्री डॉ शशि पांजा (कैबिनेट मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार, उद्योग, वाणिज्य और उद्यम और महिला और बाल विभाग के लिए) ने किया। डेवलपमेंट एंड सोशल वेलफेयर और गेस्ट ऑफ ऑनर, साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया (केयरिंग माइंड्स के संस्थापक-निदेशक, ICanFlyy, और Cafe ICanFlyy)। दर्शकों को संबोधित करते हुए, डॉ पांजा ने कहा, साथी चिकित्सा पेशेवरों और सुश्री बुधिया के साथ मंच साझा करना अद्भुत है। मैं उसे लंबे समय से जानता हूं। मैंने उनका काम देखा है, और आंशिक रूप से उनका संघर्ष, उनका व्यक्तिगत संघर्ष भी देखा है, लेकिन वह विजयी हैं, वह नारी शक्ति हैं।

हमारे एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) केंद्रों के माध्यम से, हम 6 महीने से 6 साल की उम्र के बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। हम बचपन की शिक्षा पर अत्यधिक जोर देते हुए सेवाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। मूल विचार जागरूकता फैलाना और संवेदीकरण बढ़ाना है। बच्चों को पीड़ित देखना दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि उनका निदान बहुत देर से हुआ है। पहले निदान, पहले पुनर्वास। इस प्रकार हमारा ध्यान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को यह पता लगाने के लिए तैयार करने पर है कि माता-पिता अपने बच्चों को लाते समय कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं है। बच्चों के विकास के मील के पत्थर को समझना हमारे कार्यकर्ताओं के लिए आवश्यक है क्योंकि माता-पिता अक्सर इनसे अनजान होते हैं। हम एक प्रश्नावली विकसित करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस के साथ काम कर रहे हैं जो हमारे कार्यकर्ताओं को एएसडी स्पेक्ट्रम पर बच्चों का पता लगाने में सक्षम बनाएगी। साथ ही, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम में 19 शर्तें हैं जिन पर हमें गहराई से ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एमआर के मामले में, जिसे अब हम बौद्धिक विकलांगता कहते हैं, हमें यह समझने की जरूरत है कि इन बच्चों की बेहतर मदद कैसे की जाए, खासकर उन बच्चों को जिन्हें उनके परिवारों ने सड़क के किनारे छोड़ दिया है।

अपने उद्घाटन भाषण में, सुश्री बुधिया ने एक हार्दिक और प्रेरक कहानी साझा की - अवसाद के साथ उनकी व्यक्तिगत लड़ाई और एक विशेष आवश्यकता वाली माँ होने की उनकी यात्रा। प्राची, मेरी छोटी बेटी, जो एक विशेष आवश्यकता वाली बच्ची है, जिसने मुझे न केवल बदलाव लाने बल्कि बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। एक उज्ज्वल, खुशहाल, अधिक समावेशी कल के रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक कलंक है - ''लोग क्या कहेंगे'', ''लोकी की बोल्बे। जब बच्चे और किशोर मानसिक स्वास्थ्य की बात आती है तो यह विशेष रूप से प्रमुख होता है। मेरे मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, केयरिंग माइंड्स के माध्यम से, मेरा ध्यान इस कलंक को तोड़ने और सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक बाधाओं में गुणवत्तापूर्ण, आसानी से सुलभ समाधान प्रदान करने पर है। हम में से प्रत्येक उस समाज का निर्माण करता है जिसमें हम रहते हैं और यदि हम प्रत्येक कलंक को तोड़ सकते हैं, तो धीरे-धीरे लोगों को अपनी जरूरत की सहायता प्राप्त करने में डर या शर्म महसूस नहीं होगी। देश भर से बाल विकास के क्षेत्र में दिग्गज बाल रोग विशेषज्ञों और विशेषज्ञों का एक अनूठा संगम, सम्मेलन में पैनल चर्चा, अतिथि व्याख्यान, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और इंटरैक्टिव सत्र वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विचारों का एक उत्कृष्ट मिश्रण प्रदान करते हैं। पूरी तरह से ऑफ़लाइन आयोजित होने के कारण, यह आयोजन बिरादरी के सदस्यों के लिए महामारी के कारण दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक साथ मिलने, विचारों को साझा करने और साथी शिक्षाविदों के साथ मेलजोल करने के पहले प्रमुख अवसरों में से एक है।

কলকাতা, শিলিগুড়ি ও পোর্ট ব্লেয়ার থেকে একযোগে প্রকাশিত

আর্থিক লিপি

নিউরো ডেভেলপমেন্ট পেডিয়াট্রিক্স সম্মেলন বিশ্ববাংলা কনভেনশন সেন্টারে

কলকাতা ঃ শিশুরা আমাদের ভবিষ্যত এবং তাদের স্বাস্থ্য, শারীরিক ও মানসিক উভয় ক্ষেত্রেই সমান মনোযোগের প্রয়োজনঞ্চএই লক্ষ্যে, বিশ্ব বাংলা কনভেনশন সেন্টারে নিউরো ডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক্সের আইএপি অধ্যায়ের এন সি ডি পি ২০২২ ১৯ তম বার্ষিক সম্মেলন অনুষ্ঠিত হয়। থিম ছিল নিউরোডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক্স একটি ধারণা যার সময় এসেছে। সম্মেলনের উদ্বোধন করেন প্রধান অতিথি, মন্ত্রী ড. শশী পাঞ্জা (ক্যাবিনেট মিনিস্টার, পশ্চিমবঙ্গ সরকার, শিল্প, বাণিজ্য ও উদ্যোগ এবং মহিলা ও শিশু বিভাগ। উন্নয়ন ও সমাজকল্যাণ এবং সম্মানিত অতিথি, সাইকোথেরাপিস্ট মিনু বুধিয়া (কেয়ারিং মাইন্ডস,আই ক্যান ফ্ল্যাই এবং ক্যাফে আই ক্যান ফ্ল্যাই -এর প্রতিষ্ঠাতা-পরিচালক। শ্রোতাদের উদ্দেশে, ডাঃ পাঞ্জা বলেন, “সহকর্মী চিকিৎসা পেশাদারদের সাথে এবং মিসেস বুধিয়ার সাথে ডায়াস শেয়ার করা চমৎকার। আমি তাকে অনেক দিন ধরে চিনি। আমি তার কাজ দেখেছি, এবং আমি আংশিকভাবে তার সংগ্রাম দেখেছি, তার ব্যক্তিগত সংগ্রামও দেখেছি, কিন্তু তিনি বিজয়ী, তিনি নারী শক্তি। আমাদের ইন্টিগ্রেটেড চাইল্ড ডেভেলপমেন্ট সার্ভিসেস কেন্দ্রের মাধ্যমে আমরা ৬ মাস থেকে ৬ বছর বয়সী শিশুদের দেখাশোনা করি। আমরা শৈশবকালীন শিক্ষার উপর প্রচণ্ড জোর দিয়ে পরিষেবাগুলিকে বাড়িয়ে তুলছি। মূল ধারণা হল সচেতনতা ছড়িয়ে দেওয়া এবং সংবেদনশীলতা বৃদ্ধি করা। শিশুদের কষ্ট পেতে দেখা দুর্ভাগ্যজনক কারণ তাদের অনেক দেরিতে রোগ নির্ণয় করা হয়েছে। যত তাড়াতাড়ি রোগ নির্ণয়, তত তাড়াতাড়ি পুনর্বাসন। এইভাবে আমাদের ফোকাস হল আমাদের আনাগনওয়াড়ি কর্মীদের সজ্জিত করার দিকে যাতে অভিভাবকরা তাদের সন্তানদের নিয়ে আসে তখন কিছু বন্ধ মনে হয় কিনা তা সনাক্ত করতে। শিশুদের উন্নয়নের মাইলফলকগুলি বোঝা আমাদের কর্মীদের জন্য অপরিহার্য কারণ পিতামাতারা প্রায়শই এগুলি সম্পর্কে জানেন না। আমরা একটি প্রশ্নাবলী তৈরি করতে নিউরোসায়েন্স ইনস্টিটিউটের সাথে কাজ করছি যা আমাদের কর্মীদের এ এস ডি স্পেকট্রামে শিশুদের সনাক্ত করতে সক্ষম করবে। এছাড়াও, প্রতিবন্ধী ব্যক্তিদের অধিকার আইনে ১৯ টি শর্ত রয়েছে যা আমাদের গভীর মনোযোগের প্রয়োজন। এমআর-এর ক্ষেত্রে, যাকে আমরা এখন বুদ্ধিবৃত্তিক প্রতিবন্ধী বলি, আমাদের বুঝতে হবে কীভাবে এই শিশুদের আরও ভালভাবে সাহায্য করা যায়, বিশেষ করে যারা তাদের পরিবার পরিত্যক্ত হয়েছে, রাস্তার পাশে ফেলে রাখা হয়েছে।তার উদ্বোধনী বক্তৃতায়, মিসেস বুধিয়া একটি হৃদয়গ্রাহী এবং অনুপ্রেরণাদায়ক গল্প শেয়ার করেছেন - হতাশার সাথে তার ব্যক্তিগত যুদ্ধ এবং একজন বিশেষ প্রয়োজনের মা হওয়ার তার যাত্রা। “প্রাচী, আমার ছোট মেয়ে, যিনি একজন বিশেষ চাহিদাসম্পন্ন শিশু, তিনিই আমাকে অনুপ্রাণিত করেছেন শুধু পরিবর্তন আনতে নয়, পরিবর্তন আনতে। সবচেয়ে বড় চ্যালেঞ্জ যা একটি উজ্জ্বল, সুখী, আরও অন্তর্ভুক্ত আগামীকালের পথে দাঁড়িয়েছে তা হল সামাজিক কলঙ্ক - ক্ষ্মলগ কেয়া কাহেঙ্গেক্ষ্ম, ক্ষ্মলোকে কি বলবেক্ষ্ম। এটি শিশু এবং কিশোর-কিশোরীদের মানসিক স্বাস্থ্যের ক্ষেত্রে বিশেষভাবে বিশিষ্ট। আমার ইনস্টিটিউট অফ মেন্টাল হেলথ, কেয়ারিং মাইন্ডস এর মাধ্যমে, আমার ফোকাস হল কলঙ্ক ভাঙার এবং আর্থ-সামাজিক ও ভৌগলিক বাধা পেরিয়ে মানসম্পন্ন, সহজলভ্য সমাধান প্রদানের উপর। আমাদের প্রত্যেকে আমরা যে সমাজে বাস করি তা তৈরি করে এবং যদি আমরা প্রত্যেকে একটি কলঙ্ক ভাঙতে পারি, ধীরে ধীরে লোকেরা তাদের প্রয়োজনীয় সাহায্য পেতে ভয় বা লজ্জিত বোধ করবে না।ক্ষ্মসারা দেশ থেকে শিশু বিকাশের ক্ষেত্রে অদম্য শিশু বিশেষজ্ঞ এবং বিশেষজ্ঞদের একটি অনন্য সঙ্গম, সম্মেলনে প্যানেল আলোচনা, অতিথি বক্তৃতা, বিতর্ক, কুইজ এবং ইন্টারেক্টিভ সেশনগুলি বৈজ্ঞানিক ও সাংস্কৃতিক চিন্তার একটি চমৎকার মিশ্রণ প্রদান করে। সম্পূর্ণরূপে অফলাইনে অনুষ্ঠিত হওয়ায়, এই ইভেন্টটি মহামারীর কারণে দুই বছরের দীর্ঘ স্থবিরতার পর ভ্রাতৃত্বের সদস্যদের একত্রিত হওয়ার, ধারণাগুলি ভাগ করে নেওয়া এবং সহশিক্ষাবিদদের সাথে সামাজিকীকরণের প্রথম প্রধান অনুষ্ঠানগুলির মধ্যে একটি।

বিশ্ব বাংলা কনভেনশন সেন্টারে নিউরো ডেভেলপমেন্টাল পেডিয়াট্রিক্সের আইএপি চ্যাপ্টারের ১৯তম বার্ষিক সম্মেলনের উদ্বোধনে মন্ত্রী ডাঃ শশী পাঁজা, সাইকোথেরাপিস্ট মিনু বুধিয়া, ডাঃ শাবিনা আহমেদ।

روزنامہ
اخبارِ مشرق
کلکتہ
Published from Kolkata•Asansol•Siliguri•Bhopal•Delhi• Ranchi•Lucknow•Srinagar
AKHBAR-E-MASHRIQ

وشو بنگلہ کنونشن سینٹر میں نیورو ڈیولپمنٹل پیڈیٹکس کی 19 ویں سالانہ تقریب میں ریاستی وزیر برائے خواتین واطفال ترقیات ڈاکٹر ششی پانجہ، کیریئنگ مائنڈس کی فاؤنڈر ڈائریکٹر مینو بودھیا۔ ڈاکٹر شبینہ احمد چیئرپرسن نیورو ڈیولپمنٹل پیڈیٹکس اور ایچ اے پی کے سکریٹری سنجئے چکرورتی شریک ہوئے۔

द रिपब्लिक इण्डियन
सूचित रहनुहोस्

Repoter September 4, 2022

न्यूरो डेभलपमेन्टल पेडियाट्रिक्सको आईएपी च्याप्टरको 'एनसीडीपी २०२२'को १९औं वार्षिक सम्मेलन

तस्वीर १: विश्व बङ्गला कन्भेन्सन सेन्टरमा न्यूरो डेभलपमेन्टल पेडियाट्रिक्सको आईएपी च्याप्टरको १९औं वार्षिक सम्मेलन 'एनसीडीपी २०२२'को उद्घाटन गर्दै पश्चिम बङ्गाल सरकारका महिला तथा बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग, उद्योग, वाणिज्य तथा उद्यम विभाग र सार्वजनिक उद्यम तथा औद्योगिक पुनर्निर्माण विभागकी मन्त्री डा. शशी पन्जा र केयरिङ माइन्ड्स, आई क्यान फ्लाई र केफे आई क्यान फ्लाईका संस्थापक-निर्देशक मनोचिकित्सक सुश्री मिनु बुधिया ।

The Republic Indian continues...

तस्वीर २: विश्व बङ्गला कन्भेन्सन सेन्टरमा न्यूरो डेभलपमेन्टल पेडियाट्रिक्सको आईएपी च्याप्टरको 'एनसीडीपी २०२२'को १९औं वार्षिक सम्मेलनको उद्घाटन समारोहमा पश्चिम बङ्गाल सरकारका महिला तथा बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग, उद्योग, वाणिज्य तथा उद्यम विभाग र सार्वजनिक उद्यम तथा औद्योगिक पुनर्निर्माण विभागकी मन्त्री डा. शशी पन्जा र केयरिङ माइन्ड्स, आई क्यान फ्लाई र केफे आई क्यान फ्लाईका संस्थापक-निर्देशक मनोचिकित्सक सुश्री मिनु बुधिया र न्यूरोडेभलपमेन्टल च्याप्टरकी अध्यक्ष डा. शबिना अहमद।

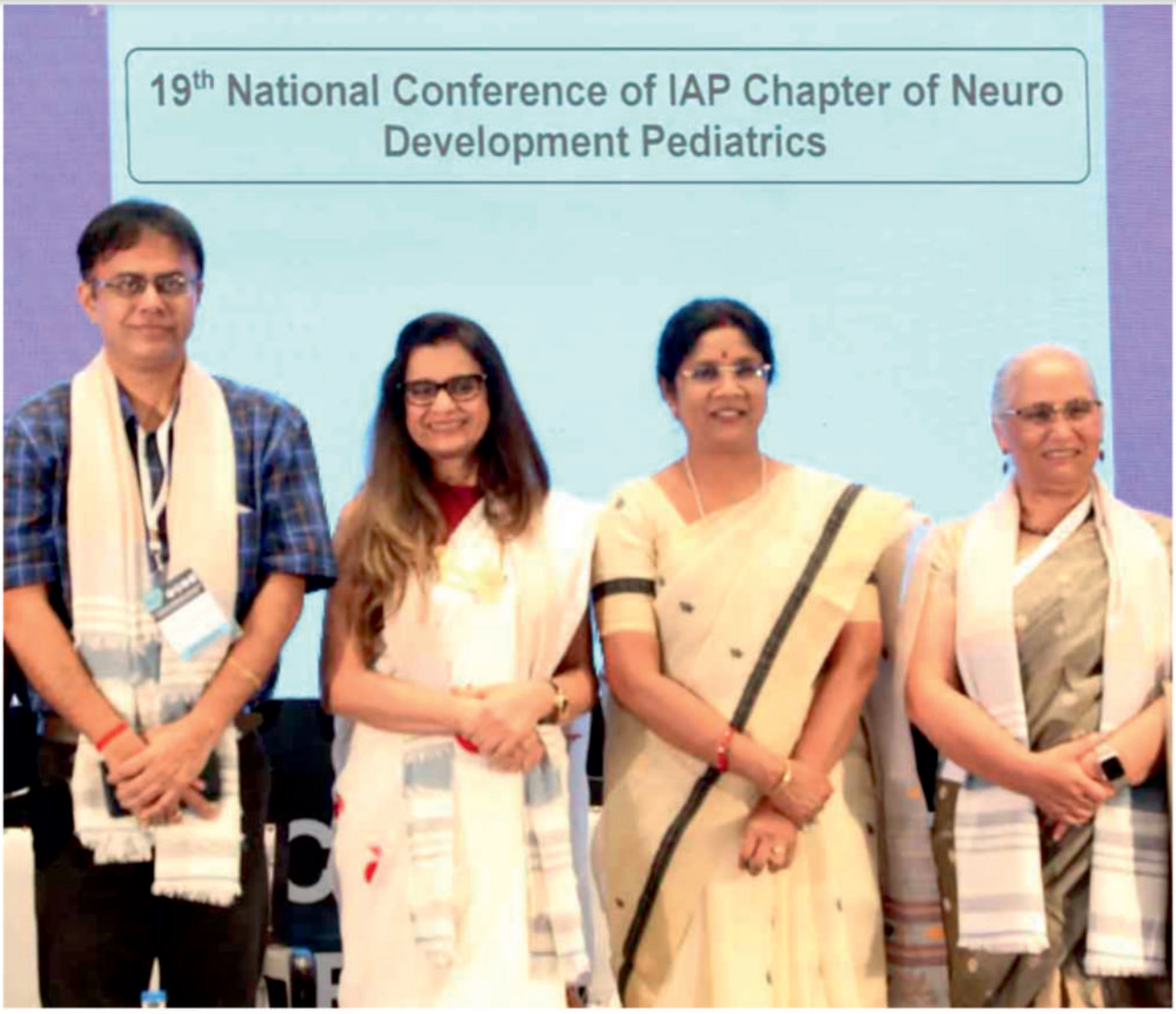

तस्वीर ३: विश्व बङ्गला कन्भेन्सन सेन्टरमा आयोजित न्युरो डेभलपमेन्टल पेडियाट्रिक्सको आईएपी च्याप्टरको 'एनसीडीपी २०२२'को १९औं वार्षिक सम्मेलनमा उपस्थित पश्चिम बङ्गाल सरकारका महिला तथा बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग, उद्योग, वाणिज्य तथा उद्यम विभाग र सार्वजनिक उद्यम तथा औद्योगिक पुनर्निर्माण विभागकी मन्त्री डा. शशी पन्जा, केयरिङ माइन्ड्स, आई क्यान फ्लाई र केफे आई क्यान फ्लाईका संस्थापक-निर्देशक मनोचिकित्सक सुश्री मिनु बुधिया, न्यूरोडेभलपमेन्टल च्याप्टरकी अध्यक्ष डा. शबिना अहमद, र एचपीएका सचिव डा. सुजय चक्रवर्ती ।